आईजिंक व्यक्तित्व आविष्कारिका

Eysenck Personality Inventory

आईजिंक ने 1956 में बहिर्मुखता-अंतर्मुखता के द्विध्रुवीय शीलगुणों को मापने के लिए एक आविष्कारिका का निर्माण किया । इसका निर्माण माड्सले अस्पताल में भर्ती होने वाले रोगियों की स्नायु विकृति तथा बहिर्मुखता-अंतर्मुखता से संबंधित शीलगुणों को मापने के लिए किया गया। इसलिए इसे माड्सले व्यक्तित्व आविष्कारिका भी कहा जाता है। इसमें कुल 48 एकांश हैं, जिसमें 24 बहिर्मुखता के लिए, और 24 अंतर्मुखता के लिए हैं। 1965 में इस आविष्कारिका का संशोधन किया गया। इस संशोधित आविष्कारिका को आईजिंक व्यक्तित्व आविष्कारिका भी कहते हैं। इसके द्वारा व्यक्तित्व की दो विमाओं की जांच की जाती है। पहली बीमा को बहिर्मुखता-अंतर्मुखता तथा दूसरी बीमा को संवेगात्मक स्थिरता संवेगात्मक अस्थिरता कहते हैं। इसमें कुल 57 एकांश हैं इसमें 24 एकांश पहली बीमा के लिए,24 दूसरी बीमा के लिए तथा नौ एकांश ऐसे हैं जिसके द्वारा झूठ बोलने की प्रवृति की जांच की जाती है। इसके अलावा दोनों बीमाओं पर प्रयोज्य के उत्तरों की सत्यता की जांच की जाती है।

गुण

Merits

इस आविष्कारिका की कई नैदानिक उपयोगिताऐ हैं, जो निम्नलिखित हैं:

- इस आविष्कारिका का एक नैदानिक महत्व यह है इसके द्वारा स्नायुविकृति से पीड़ित रोगियों के निदान या निरूपण में काफी मदद मिलती है।
- इस आविष्कारिका से व्यक्तित्व के दो प्रधान बीमा अर्थात बहिर्मुखता-अंतर्मुखता तथा संवेगात्मक स्थिरता -अस्थिरता को मापने में काफी सुविधा होती है।

Scanned with CamScanner

- ❖ संरचना, संचालन, अंकन तथा व्याख्या के दृष्टिकोण से यह आविष्कारिका MMPI से अधिक सरल है।
- ❖ MMPI की अपेक्षा EPI द्वारा रोगी के नैदानिक मूल्यांकन में समय कम लगता है तथा श्रम कम करना पड़ता है।

सीमाएं

Demerits

नैदानिक मूल्यांकन के दृष्टिकोण से EPI या MPI की उपयोगिता काफी सीमित है। MMPI की तुलना में MPI का उपयोग काफी कम होता है। क्योंकि इसकी कई सीमाएं हैं, जो निम्नलिखित हैं

- EPI या MPI के द्वारा मनोविकृति के रोगी का नैदानिक एक मूल्यांकन संभव नहीं होता है।
- इसके द्वारा सभी स्नायु विकृति रोगियों का मूल्यांकन नहीं हो पाता है। खासकर उन्माद के रोगी के निदान में असफल नहीं है।
- इस आविष्कारिका में विश्वसनीयता बहुत ही सीमित है।
- इस आविष्कारिका की वैधता भी काफी सीमित है।
- अधिक उपयोगी एवं वैज्ञानिक आविष्कारिका के विकसित हो जाने के कारण MPI का उपयोग बहुत घट गया है।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि MMPI की तुलना में EPI या MPI की नैदानिक योगिता बहुत सीमित है ।

Students are directed to go through the lesson try to understand it in case of any difficulty contact on my WhatsApp number

The end

Scanned with CamScanner